www.sanjanabharati.com | दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित | facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

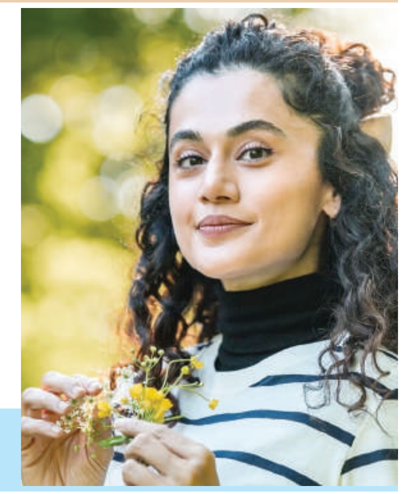

2 शक्ति, संतुलन और लोककल्याण का... | 3 खानपुर प्रखंड के जहाँगीरपुर पंचायत अंतर्गत मधुटोल... | 4 अनुभव सिन्हा की इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा...

वर्ष: 10 | अंक: 110 | दिल्ली, गुरुवार, 12 फरवरी 2026 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

विकास के साथ युवाओं को चाहिए नौकरियां-एच डी देवेगौड़ा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के प्रमुख एच डी देवेगौड़ा ने बुधवार को राज्यसभा में आम बजट 2026-27 पर चर्चा के दौरान सरकार को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश की प्रगति को समावेशी बनाने के लिए नीतियों के केंद्र में रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। देवेगौड़ा ने कहा कि भारत वर्तमान में एक अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। उन्होंने उल्लेख किया कि देश अब मध्यम आय वाले राष्ट्र से उच्च मध्यम आय वाला देश बनने के कगार पर है। उनके अनुसार, वर्तमान के सरकारी उपाय ही यह तय करेंगे कि विकास कुछ वर्गों तक सीमित रहेगा या यह वास्तव में 'सबका साथ सबका विकास' बन पाएगा। देवेगौड़ा ने कहा कि उन्होंने भारत की विकास यात्रा के विभिन्न चेहरे देखे हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट एक ऐसे महत्वपूर्ण समय में आया है, जब भारत एक मध्यम आय वाले राष्ट्र से उच्च मध्यम आय वाला देश बनने के कगार पर है। उन्होंने कहा, हमारे उपाय यह तय करेंगे कि विकास सीमित रहेगा अथवा यह वास्तव में सबका साथ सबका विकास बन पाएगा। उन्होंने बजट के सकारात्मक पक्षों की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें विनिर्माण क्षेत्र, मध्यम एवं लघु उद्योग क्षेत्र (एमएसएमई), आधारभूत क्षेत्र, निर्यात प्रतिस्पर्धा पर जोर दिया गया है, जो आवश्यक भी है और समय की मांग भी है।

शरद पवार के स्वास्थ्य में सुधार

महाराष्ट्र (एजेन्सी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख और राज्यसभा सांसद शरद पवार (85) की स्थिति अब स्थिर है। सीने में संक्रमण और सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें सोमवार को पुणे के रूबी हॉल क्लीनिक में भर्ती कराया गया था। बुधवार को उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने राहत भरी खबर देते हुए बताया कि उनकी सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। अगले दो दिन में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। उनका इलाज कर रहे चिकित्सकों ने बुधवार को यह जानकारी दी। राज्यसभा के सदस्य शरद पवार (85) ने सांस लेने में तकलीफ और लगातार खांसी की शिकायत की थी जिसके बाद उन्हें सोमवार दोपहर पुणे जिले के बारामती कस्बे स्थित उनके आवास से रूबी हॉल क्लीनिक लाया गया था।

जब देश के हर क्षेत्र के युवा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं, तब 'विकसित भारत' का विजन हकीकत बनता है : विजेंद्र गुप्ता

गुप्ता ने युवा नागरिकों से भारत की लोकतांत्रिक और विकासात्मक यात्रा का नेतृत्व करने का किया आह्वान

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। जब युवा नागरिक लोकतंत्र की जीवंत संस्थाओं के साथ जुड़ते हैं, तो वे न केवल इतिहास सीखते हैं, बल्कि राष्ट्र की निरंतर संवैधानिक यात्रा का हिस्सा भी बनते हैं ये विचार दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 'माय भारत केंद्र' द्वारा गृह मंत्रालय के समन्वय से आयोजित 17वें जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ बातचीत के दौरान व्यक्त किए। इस अवसर पर 'माय भारत' के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस संवाद कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ (बस्तर, बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और मोहला-मानपुर), झारखंड (पश्चिमी सिंहभूम), मध्य प्रदेश (बालाघाट), ओडिशा (कंधमाल और कालाहांडी) और महाराष्ट्र (गढ़चिरौली) जैसे जिलों के लगभग 200 जनजातीय युवाओं ने भाग लिया। प्रतिनिधिमंडल के साथ 36 जिला युवा अधिकारी और कार्यक्रम से जुड़े अन्य अधिकारी भी शामिल थे। श्री गुप्ता ने उन 36 युवा अधिकारियों की प्रेरक यात्रा की सराहना की, जिन्होंने यूपीएससी परीक्षा पास की लेकिन अंतिम सूची में स्थान नहीं बना पाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सेवा उन प्रतिबद्ध युवाओं के लिए हमेशा एक गरिमामयी मार्ग है जो देश की सेवा का जज्बा रखते हैं। 'विकसित भारत' के विजन में युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय विकास की नींव संवैधानिक जागरूकता, सामाजिक एकजुटता और सूचित भागीदारी पर टिकी होनी चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के भ्रमण से प्रतिभागियों को अपने-अपने क्षेत्रों में शासन, सार्वजनिक सेवा और सामुदायिक नेतृत्व में सार्थक योगदान देने की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को विधानसभा सदन का गाइडेड टूर भी कराया गया, जहाँ उन्हें इस सदन की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और एक संवैधानिक संस्था के रूप में इसके विकास से अवगत कराया गया।

इस अवसर पर श्री विट्ठलभाई पटेल के संवैधानिक योगदान और विधायी स्वतंत्रता को सुदृढ़ करने में उनकी भूमिका पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री श्री विट्ठलभाई की गौरव गाथा दिखाई गई। विधानसभा अध्यक्ष ने जानकारी दी कि दिल्ली विधानसभा ने शताब्दी-यात्राः वीर विट्ठलभाई पटेल शीर्षक से एक स्मारक 'कॉफी टेबल बुक' भी प्रकाशित की है, जो विधानसभा की संस्थागत और ऐतिहासिक विरासत को प्रस्तुत करती है।

प्रतिभागियों के साथ चर्चा करते हुए अध्यक्ष ने दिल्ली विधानसभा के ऐतिहासिक और संवैधानिक संदर्भों को साझा किया। उन्होंने याद दिलाया कि यह परिसर 1909 के मॉर्ले-मिंटो सुधारों और 1911 में राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित किए जाने के बाद भारत के विधायी विकास के महत्वपूर्ण चरणों का गवाह रहा है। उन्होंने रेखांकित किया कि विधानसभा केवल एक विरासत संरचना नहीं है, बल्कि एक जीवंत संवैधानिक संस्था है जहाँ लोकतांत्रिक विचार-विमर्श सार्वजनिक जीवन को आकार देता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट की विस्तार से बताई उपलब्धियां

महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड और उत्पाद विपणन योजना से आधी आबादी होगी और सशक्त

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा के सभागार में पत्रकारों को संबोधित करते हुए वर्ष 2026-27 के बजट की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बजट में महिलाओं, युवाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, पर्यटन और दिव्यांगजन कल्याण को केंद्र में रखते हुए प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने का रोडमैप पेश किया है। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश ने महिलाओं की सुरक्षा, स्वावलंबन और सम्मान को प्राथमिकता देते हुए ई क्यूब के रूप में एंप्लाइमेंट, इंटरप्राइसेस और एक्सीलेंस के तहत उल्लेखनीय प्रगति की है। बीते नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में महिला श्रम बल भागीदारी 13 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसे आगे बढ़ाने के लिए महिला उद्यमी उत्पाद विपणन योजना की बजट में घोषणा की गई है, जो केंद्रीय बजट में प्रस्तावित सी-मार्ट की तर्ज पर कार्य करेगी। इसके साथ ही बजट में महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से महिलाओं को ब्याज मुक्त पूंजी उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है, ताकि वे छोटे-छोटे उद्यमों के लिए महंगे कर्ज के बोझ से मुक्त रह सकें और लखपति दीदी लक्ष्य को साकार किया जा सके। इसके अलावा कामकाजी महिलाओं के लिए प्रत्येक जनपद स्तर पर श्रमजीवी महिला छात्रावास के निर्माण के लिए भी बजट में धनराशि सुनिश्चित की गई है। बजट में युवाओं के लिए एक ऐतिहासिक घोषणा करते हुए वन डिस्ट्रिक्ट, वन कमिश्नरी, वन डिविजनल हेड क्वार्टर, वन स्पोटर्स कॉलेज की परिकल्पना रखी गई है। प्रदेश के 18 कमिश्नरी मुख्यालयों पर एक-एक स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना की जाएगी।मेरठ में मेजर ध्यानचंद के नाम पर बन रही स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी अप्रैल-मई तक पूरी हो जाएगी, जहां शैक्षणिक सत्र पहले से प्रारंभ हो चुके हैं।

वर्ष 2030 अहमदाबाद कॉमनवेल्थ गेम्स और 2036 ओलंपिक में भारत की प्रस्तावित दावेदारी को ध्यान में रखते हुए इन स्पोर्ट्स कॉलेजों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अलावा ग्राम पंचायत स्तर पर ओपन जिम, खेल मैदान, मिनी स्टेडियम और स्टेडियम निर्माण को प्राथमिकता दी गई है, जिसे खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत केंद्र सरकार के सहयोग से आगे बढ़ाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने पर्यटन क्षेत्र में भी लंबी छलांग लगाई है। वर्ष 2017 से पहले खराब सुरक्षा व्यवस्था और कमजोर इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण प्रदेश की छवि प्रभावित थी, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश के धार्मिक, हेरिटेज, इको और एडवेंचर टूरिज्म स्थलों पर 122 करोड़ पर्यटकों ने यात्रा की। बजट में पीपीपी मोड पर 1 लाख अतिरिक्त होटल रूम जोड़ने और 50,000 नए होम-स्टे विकसित करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही महिला गाइडों के लिए 10,000 रुपये का लाइसेंस शुल्क माफ कर उन्हें रोजगार से जोड़ने का निर्णय लिया गया है।

अंतर-नगरीय परिवहन की नई परिभाषा: भारत में तेज रफ्तार रेल गलियारे

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

गोरखपुर। भारतीय रेल विश्व की सबसे बड़ी रेल प्रणालियों में से एक है और लंबे समय से यात्री एवं माल ढुलाई का प्रमुख माध्यम रही है। क्षेत्रों को जोड़ने तथा लोगों और वस्तुओं की आवाजाही को सक्षम बनाकर इसने आर्थिक गतिविधियों, श्रम गतिशीलता और बाजारों, शिक्षा एवं सेवाओं तक पहुंच को समर्थन दिया है। समय के साथ, परिवहन मांग में वृद्धि के अनुरूप रेल नेटवर्क और उसकी वहन क्षमता का निरंतर विस्तार किया गया है। आवागमन की प्रकृति में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। तेज शहरीकरण, आय में वृद्धि, महानगरीय क्षेत्रों का विस्तार तथा प्रमुख आर्थिक क्लस्टरों के उभरने से लंबी दूरी और अंतर-शहरी यात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

बदलाव के इन रुझानों को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने रेल विकास के लिए एक दीर्घकालिक और योजनाबद्ध दृष्टिकोण अपनाया है। इसका उद्देश्य केवल क्षमता विस्तार ही नहीं, बल्कि सेवा गुणवत्ता, विश्वसनीयता और गति में सुधार करना भी है। केंद्रीय बजट 2026-27 में सात उच्च-गति रेल गलियारों की घोषणा, भारत की अंतर-शहरी परिवहन के विकासशील ढांचे में उन्नत रेल प्रणालियों और गलियारा-आधारित विकास की ओर एक स्पष्ट संकेत है। इसका उद्देश्य भविष्य-उन्मुख, परिवर्तनीय परिवहन समाधान उपलब्ध कराना है, जो यात्रियों की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा कर सके और सतत आर्थिक वृद्धि को समर्थन दे।

उच्च-गति रेल (एच एस आर) से आशय उन यात्री रेल प्रणालियों से है, जिन्हें पारंपरिक रेल की तुलना में कहीं अधिक गति पर संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये प्रणालियां सामान्यतः समर्पित गलियारों पर संचालित होती हैं और उन्नत रोलिंग स्टॉक, सिग्नलिंग, संचार एवं सुरक्षा प्रौद्योगिकियों से युक्त होती हैं, जिससे उच्च परिचालन दक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है। परिचालन की दृष्टि से, 250 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक गति पर चलने वाली रेल प्रणालियों को उच्च-गति रेल माना जाता है।

उच्च-गति रेल प्रणाली, पारंपरिक एवं अर्ध-उच्च-गति रेल सेवाओं से बिल्कुल भिन्न होती हैं। पारंपरिक रेल मार्गों पर मालगाड़ियां और कम रफ्तार से चलने वाली यात्री गाड़ियां भी संचालित होती हैं, जबकि उच्च-गति रेल पूर्णतः समर्पित गलियारों पर संचालित होती है, जिससे अधिक गति और समयबद्ध संचालन संभव होता है।

भारत के संदर्भ में, उच्च-गति रेल गलियारे उन प्रमुख शहर को जोड़ने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हैं, जहां मध्यम से लंबी दूरी पर यात्री मांग अधिक है। यह सरकार के सतत परिवहन को बढ़ावा देने और मौजूदा अवसंरचना पर दबाव कम करने के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप है।

भारतीय रेल नेटवर्क के विकास की दीर्घकालिक रूपरेखा के लिए राष्ट्रीय रेल योजना बनाई गई है जो वर्ष 2030 तक के लिए है। इस योजना में उच्च-गति रेल को भावी यात्री रेल पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण घटक माना गया है। इसमें उच्च-गति गलियारों को पारंपरिक और उपनगरीय रेल सेवाओं के पूरक के रूप में परिकल्पित किया गया है।

केंद्रीय बजट 2026-27 में रेल बुनियादी ढांचे के प्रति भारत के दृष्टिकोण को पुनः रेखांकित किया गया है, जिसमें आधुनिकीकरण, यात्री सुविधा, क्षेत्रीय संपर्क और लॉजिस्टिक दक्षता पर विशेष बल दिया गया है। बजट में भारतीय रेल के लिए 2,78,000 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय प्रस्तावित किया गया है, जो इतिहास में इस क्षेत्र के लिए अब तक का सबसे अधिक व्यय प्रस्ताव है।

इसी व्यापक निवेश ढांचे के अंतर्गत, बजट में कई उच्च-प्रभावी, क्षमता-वर्धक परियोजनाओं का उल्लेख किया गया है, जिनसे देश में अंतर-शहरी यात्रा की प्रकृति में व्यापक परिवर्तन की अपेक्षा है। इनमें उच्च-गति संपर्क पर केंद्रित पहलें विशेष महत्व रखती हैं।

इसी दृष्टिकोण के अंतर्गत, आगामी वित्त वर्ष के लिए बजट में सात उच्च-गति रेल गलियारों के विकास की घोषणा की गई है, जो प्रमुख शहरों और क्षेत्रों को जोड़ने वाले विकास सेतु के रूप में कार्य करेंगे। इन रेल गलियारों का विस्तार लगभग 4,000 किलोमीटर में होगा और इनमें लगभग 16 लाख करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है, जो सरकार की उच्च-गति रेल महत्वाकांक्षा के पैमाने को दशार्ता है।

हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का निर्माण देश के विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किए जाने की योजना है।

मुख्यमंत्री सैनी ने 17 जिलों में डे-केयर कैंसर सेंटर का वर्चुअल किया उद्घाटन

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को चंडीगढ़ से राज्य के 17 जिलों में डे-केयर कैंसर सेंटर का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस प्रकार के सेंटर पहले ही पांच जिलों में लॉन्च किए जा चुके है, और आज से राज्य के 22 जिलों में डे-केयर कैंसर सेंटर चालू हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में यह घोषणा की थी जिसे आज पूर्ण कर दिया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुईं। मुख्यमंत्री द्वारा 17 जिलों में शुरू किये डे-केयर कैंसर सेंटर प्रदेश के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन डे-केयर कैंसर सेंटर का उद्देश्य कैंसर रोगियों को सुलभ, किफायती और उनके घर के नजदीक उपचार उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कैंसर हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है। इसका ईलाज काफी महंगा है, ऐसे में आमजन को ध्यान में रखते हुए कैंसर रोगियों के लिए सेंटर खोले गए है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम के तहत रोकथाम, स्क्रीनिंग और उपचार की व्यापक सेवाएं प्रदान कर रहा है। 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की नियमित जांच की जा रही है।

भाजपा और आप समेत विभिन्न दलों के कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का दामन

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। शहरी जिला कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को सदस्यता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े कई प्रमुख कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस पदाधिकारियों ने नए साथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस अवसर पर पूर्व वार्ड प्रधान बलबीर सिंह वाल्मीकि, पूर्व वार्ड प्रधान कुलदीप सिंह (आम आदमी पार्टी), राजन वाल्मीकि (भाजपा) तथा रामनिवास वाल्मीकि ने अन्य दलों को छोड़कर कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा में विश्वास जताते हुए पार्टी का दामन थामा। कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष पराग गाबा ने सभी नए सदस्यों को पार्टी का पटका पहनाकर औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल किया। उन्होंने कहा कि यह सदस्यता कार्यक्रम कांग्रेस के कर्मठ नेता प्रवीण पूनिया के विशेष प्रयासों से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

पराग गाबा ने बताया कि पार्टी संगठन विस्तार अभियान लगातार चला रही है और जमीनी स्तर पर कांग्रेस की पकड़ को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक विचारधारा आधारित संगठन है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरा मान-सम्मान मिलता है। पार्टी का हर कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और कांग्रेस परिवार अपने कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में सदैव साथ खड़ा रहता है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए साथियों के जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और आगामी राजनीतिक गतिविधियों में कांग्रेस की भूमिका और अधिक प्रभावशाली होगी।

कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

बेरी ब्लॉसम स्कूल में सेवा कामना वेलफेयर एंड एजुकेशनल ट्रस्ट का भव्य सम्मान

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। बेरी ब्लॉसम स्कूल, वेस्ट रोहतास नगर में सेवा कामना वेलफेयर एंड एजुकेशनल ट्रस्ट को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अत्यंत सुंदर और आत्मविश्वास से परिपूर्ण कविता प्रस्तुत की। बच्चों ने केवल कविता का पाठ ही नहीं किया, बल्कि उसी के अनुरूप अपनी भाव-भंगिमा और प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। उनका आत्मविश्वास वास्तव में देखते ही बनता था।

कार्यक्रम में बच्चों द्वारा आकर्षक रैंप वॉक भी प्रस्तुत की गई, जिसने पूरे वातावरण को उत्साह और उमंग से भर दिया। सेवा कामना ट्रस्ट की अध्यक्ष अनु भाटिया जी ने बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए परिणाम घोषित किए। तीन बच्चों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हेतु ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, तथा अन्य सभी प्रतिभागी बच्चों को भी प्रोत्साहन स्वरूप प्रमाण पत्र दिए गए। बच्चों के लिए रिफ्रेशमेंट की भी विशेष व्यवस्था की गई, जिससे कार्यक्रम और भी आनंदमय बन गया।

बेरी ब्लॉसम स्कूल की प्रिंसिपल अनुराधा जी द्वारा सेवा कामना ट्रस्ट की अध्यक्ष अनु भाटिया जी एवं उनकी सहयोगी प्रियंका नैन और रेनू कोहली जी का भव्य स्वागत किया गया। यह कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास, प्रतिभा और उज्ज्वल भविष्य की प्रेरणादायक झलक प्रस्तुत करता है।

'पंजाब सरकार अपने कर्मचारियों की भलाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध'

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार अपने कर्मचारियों की भलाई के लिए हर संभव कदम उठाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और वन विभाग के कर्मचारी सरकार का अभिन्न अंग हैं। यह विचार आज वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक ने वन कॉम्प्लेक्स में फॉरेस्ट रेंजर्स एंड डिप्टी फॉरेस्ट रेंजर्स एसोसिएशन, पंजाब स्टेट फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन बठिंडा के सेवानिवृत्त कर्मचारी यूनियन तथा डेमोक्रेटिक जंगलात मुलाजम यूनियन पंजाब के साथ आयोजित बैठकों के दौरान व्यक्त किए। मंत्री ने वन रेंजर्स को बताया कि वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत विभाग के पुनर्गठन प्रस्ताव के तहत पंजाब फॉरेस्ट सर्विस (ई.ए.सी.एफ.) के 44 पदों को मंजूरी दी गई है।

स्कूली बच्चे शैक्षणिक परिभ्रमण के लिए हुए रवाना

एसबी संवाददाता

मंसूरचक (बेगूसराय)। मुख्यमंत्री बिहार दर्शन योजना को लेकर मध्य विद्यालय हवासपुर पश्चिम के स्कूली बच्चों को शैक्षणिक परिभ्रमण के लिए शिक्षकों के साथ बस से रवाना किया गया। छात्र छात्राओं को शैक्षणिक परिभ्रमण को लेकर राईस सीटी, पटना म्यूजियम, संजय गांधी जैविक उद्यान एवं गोल घर जैसे ऐतिहासिक धरोहरों से अवगत कराया जायेगा। उक्त मौके पर प्रधानाध्यापक अबुल हसन, शिक्षक अजय अनंत, महेश कुमार एवं शिक्षा समिति सचिव मीना देवी, अरुणा देवी के नेतृत्व में 50 से अधिक छात्र-छात्राओं को ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

सम्पादकीय

कृषि उपज के लिए बाजार को खोलना यानी बवंडर को निमंत्रण

इसमें दो राय नहीं है कि संयुक्त राज्य अमेरिका बरसों से भारतीय कृषि बाजार में बड़ी और व्यापक पहुंच हासिल करने की कोशिश में है। हाल ही में अमेरिका के साथ भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है। इसके तहत अमेरिकी बाजारों में भारतीय सामान 18 प्रतिशत के ही टैरिफ पर उपलब्ध हो सकेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर मनमाने तरीके से थोपे गए पचास प्रतिशत के टैरिफ के मुकाबले मौजूदा व्यापार समझौते के तहत अमेरिका की ओर से प्रस्तावित 18 प्रतिशत का टैरिफ कम ही कहा जाएगा। हालांकि अतीत के करीब तीन प्रतिशत के मुकाबले फिर भी यह बहुत ज्यादा है। बहरहाल इसी समझौते के मद्देनजर जिस तरह से अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक लेस्ली रोलिंग्स ने खुशी जताई, उससे भारतीय किसान आशंकित हो उठे। भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी। इससे ग्रामीण अमेरिका में नकदी आएगी। रोलिंग्स यहीं पर नहीं रूके। उन्होंने सिर्फ 2024 के आंकड़ों का हवाला देते हुए लिखा कि भारत के साथ कृषि कारोबार के चलते अमेरिका को 1.3 अरब डॉलर का घाटा हो रहा है। रोलिंग्स ने उम्मीद जताई कि नए व्यापार समझौते की वजह से विशाल आबादी वाला भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हो सकता है। रोलिंग्स की इस खुशी की वजह से भारतीय किसानों का आशंकित होना जायज है। अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा पचास अरब डॉलर है, इसलिए वह लगातार कोशिश करता रहा है कि भारत अपने कृषि बाजारों को खोले। भारत की चिंता की वजह उसकी खेती-किसानी वाली बड़ी जनसंख्या है। भारत के छियासी प्रतिशत किसान सीमांत या लघु हैं। जिनकी जोत दो हेक्टेयर से कम है। भारत में खेती पर करीब 10.7 करोड़ परिवार निर्भर हैं। यह जनसंख्या का करीब बासठ प्रतिशत है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजारों में घुसने की अनुमति मिलती है तो भारी सब्सिडी के चलते भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों से भर जाएंगे। इससे भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है। इससे भारतीय किसानों के सामने संकट उठ खड़ा हो सकता है। किसानों की आशंकाओं को विपक्षी दलों ने अपने ऊंचे सुरों से और बढ़ाया ही है। लेकिन कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह का कहना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है और किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। चौहान का यह भी कहना है कि इस कारोबारी समझौते से देश के मुख्य खाद्यान्नों, मिलेट्स, फलों,सब्ज़ियों और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह अलग रखा गया है। इस लिहाज से देखें तो इस कारोबार समझौते से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक, इस समझौते से भारतीय किसानों को नए अवसर मिलेंगे,क्योंकि इस समझौते में कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाए, ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। भारत अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत की ओर से अमेरिका समेत कई देशों को करीब 63 हजार करोड़ के चावल का निर्यात कर चुका है। भारत सरकार का दावा है कि नए टैरिफ समझौते से भारतीय किसानों के चावल और मसालों के साथ ही टेक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा। भारत-अमेरिकी समझौते के तहत भारत को अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर का सामान पांच सालों में खरीदना है। वैसे समझौते पर जो संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ है, उसके तहत भारतीय कृषि बाजार को भी खोलने की बात कही गई है। लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं। ऐसा करने की वजह यह है कि भारतीय किसान और डेयरी उद्योग को कारोबारी परेशानियां न झेलनीं पड़ें। वैसे भी भारत लंबे समय से कृषि और डेयरी उद्योग को रेड-लाइन यानी किनारे रखने वाला सेक्टर मानता रहा है। इसकी वजह है कि गांवों में इनसे जुड़े काफी रोजगार हैं। इन सेक्टर को खोलने को लेकर भारत की बातचीत यूरोप और ब्रिटेन से भी अटक चुकी है। ऐसे में अमेरिका के लिए इस बाजार को खोलना भारतीय किसानों के लिए नुकसानदायक तो होगा ही, राजनीतिक बवंडर की वजह भी बन सकता है।

जयंती

नाना फड़नवीस

जन्म: 12 फरवरी 1742 ई.-मृत्यु: 13 मार्च 1800 ई., एक मराठा राजनेता थे, जो पानीपत के तृतीय युद्ध के समय पेशवा की सेवा में नियुक्त थे। वह अपनी चतुराई और बुद्धिमत्ता के लिये बहुत प्रसिद्ध हैं। 1800 ई. में नाना फड़नवीस की मृत्यु हो गई थी। नाना फड़नवीस ने रघुनाथराव (राघोवा) की स्वयं पेशवा बनने की सारी कोशिशें नाकाम कर दी थीं। नाना फड़नवीस का टीपू सुल्तान से भी युद्ध हुआ था। उन्होंने मराठा साम्राज्य की शक्ति को एक छत्र के नीचे एकत्र करने की सफल चेष्टा की। पेशवा शासन के दौरान नाना फड़नवीस मराठा साम्राज्य के प्रभावशाली मंत्री व कूटनीतिज्ञ थे। यूरोपीयों द्वारा उन्हें मराठा मैकियावेली (सुप्रसिद्ध इतालवी कूटनीतिज्ञ निकोलो मैकियावेली पर आधारित नाम) कहा जाता था।

पुण्यतिथि

सूफी अम्बा प्रसाद

जन्म-1858 ई., मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश; मृत्यु-12 फरवरी, 1919, ईरान, भारत के प्रसिद्ध राष्ट्रवादी नेता, महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी थे। इनकी क्रांतिकारी गतिविधियों के कारण ब्रिटिश सरकार ने इन्हें वर्ष 1897 और 1907 में फाँसी की सजा सुनाई थी। किंतु दोनों ही बार फाँसी से बचने के लिए सूफी अम्बा प्रसाद ईरान भाग गये। ईरान में ये 'गदर पार्टी' के अग्रणी नेता थे। ये अपने सम्पूर्ण जीवन काल में वामपंथी रहे। सूफी अम्बा प्रसाद का मकबरा ईरान के शीराज शहर में बना हुआ है।

कल मिलेंगे

टीचर क्लास में गणित पढ़ा रहा था।
टीचर-बोर्ड में 55 लिखो।
संता-सर कैसे लिखते हैं।
टीचर-पांच लिखे फिर उसके साइड में एक और 5 लिख।
संता ने बोर्ड में 5 लिखा और रुक गया।
टीचर-अबे क्या हुआ रुक क्यों गया।
संता-सर दूसरा 5 किस साइड लिखूं समझ नहीं आ रहा।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी। **मुद्रक**-देवानंद राय।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

महाराजा सूरजमल की जयंती पर विशेष

शक्ति, संतुलन और लोककल्याण का भारतीय मॉडल थे महाराजा सूरजमल

सैन्य नीति में भी महाराजा सूरजमल आक्रामक विस्तार के बजाय रणनीतिक रक्षा और दीर्घकालिक सुरक्षा के पक्षधर रहे। लोहागढ़ दुर्ग जैसे अभेद्य किलों का निर्माण उनकी दूरदर्शी सोच का प्रमाण है। 1754 के कुम्हेर युद्ध में मराठा-मुगल संयुक्त सेनाओं का सफल प्रतिरोध और 1761 में आगरा किले पर अधिकार ने उन्हें उत्तर भारत की एक प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित किया

-डॉ. शिव सिंह रावत

अठारहवीं शताब्दी का भारत राजनीतिक विघटन, सत्ता संघर्ष और सामाजिक असुरक्षा के कठिन दौर से गुजर रहा था। मुगल साम्राज्य अपनी प्रशासनिक और सैन्य शक्ति खो रहा था, वहीं उत्तर भारत क्षेत्रीय शक्तियों, मराठों, अफगानों और स्थानीय शासकों के बीच निरंतर संघर्ष का केंद्र बना हुआ था। ऐसे अशांत समय में महाराजा सूरजमल का उदय एक ऐसे शासक के रूप में हुआ, जिन्होंने शक्ति को विवेक, राजनीति को संतुलन और शासन को लोककल्याण से जोड़ा।

महाराजा सूरजमल का जन्म 13 फरवरी 1707 को भरतपुर क्षेत्र में जाट शासक राजा बदन सिंह के यहाँ हुआ। उनका पालन-पोषण ग्रामीण और कृषक परिवेश में हुआ, जिसने उनके दृष्टिकोण को गहराई से प्रभावित किया। वे सत्ता को केवल राजसी वैभव नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व मानते थे। यही सोच आगे चलकर उनके शासन की मूल पहचान बनी।

जब मुगल सत्ता कमजोर हो रही थी और अनेक शासक अराजकता को अवसर में बदलने में लगे थे, तब सूरजमल ने अस्थिरता के बीच संतुलन और संरचना का मार्ग चुना। वर्ष 1755 में औपचारिक रूप से महाराजा बनने के बाद उन्होंने भरतपुर को एक संगठित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में विकसित किया। उनका उद्देश्य केवल सीमाओं का विस्तार नहीं, बल्कि जनता, कृषि और संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

सैन्य नीति में भी महाराजा सूरजमल आक्रामक विस्तार के बजाय रणनीतिक रक्षा और दीर्घकालिक सुरक्षा के पक्षधर रहे। लोहागढ़ दुर्ग जैसे अभेद्य किलों का निर्माण उनकी दूरदर्शी सोच का प्रमाण है। 1754 के कुम्हेर युद्ध में मराठा-मुगल संयुक्त सेनाओं का सफल प्रतिरोध और 1761 में आगरा किले पर अधिकार ने उन्हें उत्तर भारत की एक प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित किया। उल्लेखनीय है कि उन्होंने युद्ध को अंतिम विकल्प माना और संवाद व कूटनीति के मार्ग को सदैव खुला रखा।

अन्य शासकों के साथ उनके संबंध व्यावहारिक और यथार्थवादी कूटनीति पर आधारित थे। मुगलों के साथ उन्होंने न तो अंध-विरोध अपनाया और न ही अधीनता स्वीकार की। मराठों और राजपूत राज्यों के साथ भी उन्होंने परिस्थिति के अनुसार संतुलित नीति अपनाई। वे स्वयं को सत्ता का केंद्र बनाने के बजाय, उत्तर भारत में शक्ति-संतुलन के सूत्रधार बने रहे।

सामाजिक स्तर पर महाराजा सूरजमल का शासन समावेशी और व्यावहारिक था। यद्यपि वे जाट समाज के महान प्रतीक माने जाते हैं, परंतु उनका प्रशासन किसी एक जाति या वर्ग तक सीमित नहीं था। योग्यता और प्रशासनिक क्षमता को उन्होंने सामाजिक पहचान से ऊपर रखा। किसानों, व्यापारियों, कारीगरों और धार्मिक संस्थानों को संरक्षण देकर उन्होंने सामाजिक विश्वास और स्थिरता का वातावरण बनाया।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था उनके राज्य की रीढ़ थी। किसान पृष्ठभूमि से आए शासक होने के कारण उन्होंने सिंचाई, जल प्रबंधन और सुरक्षित ग्रामीण परिवेश पर विशेष ध्यान दिया। जलस्त्रोतों का संरक्षण, कृषि भूमि की सुरक्षा और किसानों को स्थिर वातावरण देने से राज्य की आर्थिक मजबूती भी सुनिश्चित हुई। आज जब देश जल संकट, किसान असंतोष और ग्रामीण पलायन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, महाराजा सूरजमल की यह दृष्टि अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होती है।

25 दिसंबर 1763 को हिंडन नदी के निकट एक संघर्ष में महाराजा सूरजमल का निधन हो गया। उनका अंत केवल एक शासक का अंत नहीं, बल्कि संतुलित, विवेकपूर्ण और लोककेंद्रित राजनीति के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन था। इसके बावजूद उनकी शासन-दृष्टि आज भी मार्गदर्शन करती है।

महाराजा सूरजमल का संदेश आज के समाज के लिए स्पष्ट है शक्ति यदि जिम्मेदारी से न जुड़ी हो और शासन यदि लोकहित से कट जाए, तो वह टिकाऊ नहीं हो सकता। आज आवश्यकता ऐसे नेतृत्व की है जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे, कृषि और जल को नीति के केंद्र में लाए तथा विविधताओं को शक्ति के रूप में स्वीकार करे।

(लेखक-जल एवं पर्यावरण विशेषज्ञ, पूर्व अधीक्षण अभियंता, हरियाणा सरकार, संयोजक-वॉक फॉर यमुना अभियान हैं।)

संसद बनी बंधक-संविधान का अपमान कौन कर रहा है?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आखिर कांग्रेस उनके लिए कब्र खुदेगी का नारा क्यों देती है? हमने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 से हटाई इसलिए या हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से उबारा है इसलिए? प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ये कौन सी मोहब्बत की दुकान है जो देश के किसी नागरिक की कब्र खोदने के सपने देखती है?

-मृत्युंजय दीक्षित

वर्ष-2026 का बजट सत्र हल्ले-गुल्ले और अराजकता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। यहाँ बजट के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों को उठाए जाने का प्रयास हो रहा है। स्थितियां इतनी विकट हैं कि संसदीय इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री लोकसभा में उत्तर नहीं दे सके और राष्ट्रपति का अभिभाषण बिना किसी चर्चा के पारित हो गया। यद्यपि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में 97 मिनट लंबा और प्रभावशाली उत्तर दिया। राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्ष द्वारा की गई सभी टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री मोदी का यह संबोधन देश के स्वर्णिम भविष्य और विकास की दिशा को भी दशार्ता है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के समय हंगामा करके देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान करने के बाद जब समय आने पर राहुल गांधी को बोलने का अवसर दिया गया तो उन्होंने विषय से इतर जाकर पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की एक अप्रकाशित पुस्तक कोट करते हुए चीनी घुसपैठ का पुराना मुद्दा उछालने का प्रयास किया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नियमों के अंतर्गत व्यवस्था दिए जाने के बाद भी राहुल गांधी अपनी बात पर अड़े रहे। यह एक आश्चर्यजनक व्यवहार है कि नेता प्रतिपक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने के स्थान पर पुराने मुद्दे उठाए और उनको भी आपत्तिजनक रूप से रखकर देश की सेना और सदन का अपमान करे। लोकसभा में कांग्रेस तथा इंडी गठबंधन की महिला सांसदों ने जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी का रास्ता रोकने की योजना बनायी और लोकसभा अध्यक्ष को प्रधानमंत्री से सदन न आने का अनुरोध करना पड़ा वो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना ये है कि यही लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बाते करते हैं।

राज्यसभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग न लेकर विपक्षी दलों ने न केवल राष्ट्रपति पद का अपमान किया है अपितु एक गरीब परिवार से निकलकर आई आदिवासी महिला का भी अपमान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में राहुल गांधी व कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार कहने पर भी राहुल गांधी घेरा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इनका अहंकार सातवें आसमान पर पहुंच गया है। कांग्रेस छोड़कर कितने ही लोग निकले हैं किसी और को तो गद्दार नहीं कहा, ये सिख हैं इसलिए कहा, ये सिखों का, गुरुओं का अपमान था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोकसभा में चेयर पर कागज फेकें गए जब असम के सदस्य चेयर की कुर्सी पर विराजमान थे क्या यह असम का अपमान नहीं? जब आंध्र प्रदेश के एक दलित सदस्य चेयर की कुर्सी पर बैठे थे तब उन पर भी कागज फेंके गए क्या यह एक दलित बेटे और संविधान का अपमान नहीं है?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आखिर कांग्रेस उनके लिए कब्र खुदेगी का नारा क्यों देती है? हमने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 से हटाई इसलिए या हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से उबारा है इसलिए? प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ये कौन सी मोहब्बत की दुकान है जो देश के किसी नागरिक की कब्र खोदने के सपने देखती है? आजकल मोहब्बत की दुकान खोलने वाले मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं देश के युवाओं के लिए मजबूत जमीन तैयार कर रहा हूं तो कांग्रेस मोदी की कब्र खोदने के कार्यक्रम करवा रही है। हमने नार्थ ईस्ट में बम बंदूक और आतंक का जो साया बना रहता था वहां शांति और विकास की राह अपनाई इसलिए वह मोदी की कब्र खोद रहे हैं। पाकिस्तानी आतंकवादियो को घर में घुसकर मारते हैं, ऑपरेशन सिंदूर करते हैं और इसलिए वे मोदी की कब्र खोदना चाहते हैं। मोदी तेरी कब्र खुदेगी ये जो उनके भीतर नफरत भरी हुई है मोहब्बत की दुकान में जो आग भरी पड़ी हुई है, उसका कारण है किकांग्रेस इस बात को पचा नहीं पा रही है कि कोई और क्यों प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा है, ये तो हमारा पैतृक अधिकार था इसलिए वे हताशा में मोदी की कब्र खोदने के नारे लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आगे जोड़ा कि कांग्रेस को ये सहन नही हो रहा हे कि जो समस्याएं उसने 60 सालो में पाल-पोस कर बड़ी की थीं मोदी उनका एक-एक करके समाधान क्यों कर रहा है? कांग्रेस को ये सब पसंद नहीं आ रहा है इसलिए अब कांग्रेस के नेता मोदी तेरी कब्र खुदेगी का नारा लगा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपियन यूनियन और फिर अमेरिका के साथ जो व्यापार समझौते हुए उनके विषय में जानकारी देते हुए बताया कि अब पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है और समझौते कर रही है। कांग्रेस को भी यहअवसर मिला था, उन्होंने यह क्यों नही कर दिखाया? प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से कांग्रेस,लेफ्ट व डीएमके सहित टीएमसी पर भी तीखा हमला बोला और उन्होंने बंगाल की टीएसमी सरकार को देश की सबसे निर्मम सरकार बताते हुए कहा कि यह लोग अपने अंदर नहीं झाकते अपितु हमको यहां बैठकर उपदेश देते हैं। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा सांसद सदानंद मास्टर के भाषण का संज्ञान लेते हुए वैचारिक सहिष्णुता की चर्चा की, ज्ञातव्य है कि सदानंद मास्टर के दोनों पैर वामपंथी विचारधारा के लोगों ने निर्ममता से केवल उनकी विचारधारा अलग होने के कारण काट दिए थे।

संसद के वर्तमान सत्र में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने जो रवैया अपनाया है उसने देश के वास्तविक मुद्दों को उठाने का एक सुनहरा अवसर खो दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा को घेरने के बजे उन्होंने भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी को ही अपने ऊपर आक्रमण करने का अवसर दे दिया है। भाजपा अब सिख व दलित सांसदों के अपमान का राजनैतिक लाभ उठाने का पूरा प्रयास करेगी। भाजपा चुनाव वाले राज्यों में विरोधी दलों के संसदीय आचरण को भी मुद्दा बनाएगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार

बांग्लादेश में चुनाव की पूर्व संध्या पर हिंदू युवक की नृशंस हत्या

(एजेन्सी)।

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए मतदान शुरू होने से ठीक एक दिन पहले, मौलवीबाजार जिले में एक 28 वर्षीय हिंदू युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। इस घटना ने चुनाव के दौरान अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतक की पहचान रतन साहुआकर के रूप में हुई है, जो चंपा क्षेत्र के चाय बागानों में काम करता था। बुधवार सुबह करीब 10 बजे उसका शव बरामद किया गया।

मृतक की पहचान रतन साहूकार के रूप में हुई है, जो चंपा इलाके के चाय बागानों में काम करता था। उसकी बॉडी बुधवार सुबह करीब 10 बजे मिली। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, उसके शरीर पर गहरे घाव दिख रहे थे और उसके हाथ-पैर बंधे हुए थे। जब बॉडी मिली तो चोटों से खून बह रहा था। रतन के साथ काम करने वालों ने आरोप लगाया है कि उसकी हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि चोटों का तरीका और यह बात कि उसके हाथ-पैर बंधे हुए थे, यह दिखाता है कि इसमें कोई गड़बड़ है।

पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और यह पता लगा रही है कि हत्या चुनाव से जुड़ी थी या किसी और वजह से हुई थी। मौत के कारण या हालात के बारे में अभी तक कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं दी गई है। हाल ही में हुई इस हत्या से कुछ दिन पहले ही मैमनसिंह जिले में एक और हिंदू बिजनेसमैन की अनजान हमलावरों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। पीड़ित की पहचान 62 साल के सुशेन चंद्र सरकार के तौर पर हुई है, जो चावल के व्यापारी थे। पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने सरकार को धारदार हथियार से काट डाला, उन्हें उनकी दुकान के अंदर छोड़ दिया और शटर बंद कर दिया। उन्होंने मौके से भागने से पहले लाखों रुपये भी चुरा लिए। सरकार को हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बांग्लादेश के जरूरी आम चुनाव के लिए वोटिंग चल रही है और शाम 4.30 बजे तक चलेगी। वोटिंग खत्म होने के तुरंत बाद वोटों की गिनती शुरू होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार के बड़े पैमाने पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों में गिरने के बाद मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के 18 महीने बाद चुनाव हो रहे हैं। यूनुस, जिन्होंने आने वाली चुनी हुई सरकार को जल्द सत्ता सौंपने का वादा किया था, ने राजनीतिक पार्टियों, उम्मीदवारों और स्टेकहोल्डर्स से वोटिंग के दौरान संयम बरतने और लोकतांत्रिक नियमों को बनाए रखने की अपील की।

नील नदी में डूबी यात्रियों से भरी नाव, महिलाओं-बच्चों समेत 15 की दर्दनाक मौत

(एजेन्सी)।

सूडान में नील नदी में एक यात्री नौका पलट जाने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। चिकित्सकों के एक समूह ने यह जानकारी दी। देश में जारी युद्ध पर नजर रखने वाले चिकित्सकों के समूह सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने बताया कि महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 27 लोगों को लेकर जा रही नौका उत्तरी नील नदी प्रांत में डूब गई। समूह ने कहा कि कम से कम 15 लोगों के शव बरामद किए गए हैं तथा स्थानीय निवासी एवं बचाव दल अब भी कम से कम छह अन्य लोगों की तलाश कर रहे थे। उसने बताया कि छह लोगों को बचा लिया गया।

ग्रुप ने अधिकारियों से तलाशी के काम में तेजी लाने के लिए खास बचाव दल और सामान तैनात करने की अपील की। इस अफ्रीकी देश के पानी के रास्तों पर ओवरलोड नावों पर ऐसी दुखद घटनाएं आम हैं, जहाँ अक्सर सुरक्षा उपायों को नजरअंदाज किया जाता है।

नील नदी की लंबाई लगभग 6,650 किलोमीटर है। यह अफ्रीका महाद्वीप के एक बड़े हिस्से से होकर बहती है और अंत में भूमध्य सागर में जाकर गिरती है। इतिहासकार हेरोडोटस ने नील नदी को "मिस्र का वरदान" कहा था। इसका कारण यह है कि प्राचीन मिस्र की पूरी सभ्यता इसी नदी के किनारे विकसित हुई। अगर नील नदी न होती, तो मिस्र का अधिकांश हिस्सा आज केवल एक रेगिस्तान होता।

नील नदी मुख्य रूप से दो बड़ी सहायक नदियों से मिलकर बनती है:सफेद नील इसका स्रोत मध्य अफ्रीका की 'विक्टोरिया झील' माना जाता है। नीली नील इसका स्रोत इथियोपिया की 'ताना झील' है। ये दोनों नदियाँ सूडान की राजधानी खार्तूम में आपस में मिलती हैं, जहाँ से इसे मुख्य 'नील नदी' कहा जाता है।

ओलंपिक पोडियम पर भावुक हुए नॉर्वे के स्टार बायथलीट

(एजेन्सी)।

नॉर्वे के स्टार बायथलीट स्टुर्ला होम लाग्रेड के लिए यह दिन खेल से कहीं आगे निकल गया हैं। मिलानो कॉर्टिना ओलंपिक में पुरुषों की 20 किलोमीटर इंडिविजुअल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के कुछ ही पलों बाद उन्होंने ऐसा बयान दिया, जिसने दर्शकों और खेल जगत दोनों को भावुक कर दिया।

बता दें कि सात बार के विश्व चैंपियन लाग्रेड ने नॉर्वेजियन ब्रॉडकास्टर एनआरके से बातचीत के दौरान स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी प्रेमिका के साथ विश्वासघात किया हैं। लाइव इंटरव्यू में भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए उन्होंने कहा कि छह महीने पहले उन्हें अपने जीवन का सच्चा प्यार मिला था, लेकिन तीन महीने पहले उन्होंने जीवन की सबसे बड़ी गलती कर दी।

मौजूद जानकारी के अनुसार, लाग्रेड ने यह सच एक सप्ताह पहले ही अपनी प्रेमिका को बताया था और उसे अपने जीवन का सबसे कठिन सप्ताह बताया हैं। उनका कहना था कि निजी जीवन में उन्होंने जो कुछ खोया है, उसके सामने यह पदक बहुत छोटा लग रहा हैं और पिछले कुछ दिनों में खेल उनके लिए प्राथमिकता नहीं रहा हैं।

गौरतलब है कि इस मुकाबले में लाग्रेड एक निशाना चूक गए थे और स्वर्ण पदक से 48.3 सेकंड पीछे रहे हैं। उनके ही साथी खिलाड़ी योहान-ओलाव बोटन ने क्लीन शूटिंग करते हुए अपने ओलंपिक डेब्यू में स्वर्ण पदक जीता हैं, जबकि फ्रांस के एरिक पेरो ने रजत पदक हासिल किया। यह लाग्रेड का पहला व्यक्तिगत ओलंपिक पदक रहा, इससे पहले वह बीजिंग 2022 में रिले स्पर्धा में स्वर्ण जीत चुके हैं। इसके बावजूद पदक समारोह के दौरान वह जश्न मनाने के बजाय रोते नजर आए और साथियों से गले मिलते दिखे।

बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक रूप से सच बताना उनका खुद का फैसला था। उनका मानना है कि पूरी सच्चाई सामने रखकर ही वह एक अच्छा उदाहरण पेश कर सकते हैं और शायद इससे उन्हें निजी जीवन में माफी मिलने की कोई उम्मीद बन सके। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें डर है कि कहीं उनकी बातों से टीम के साथी बोटन की उपलब्धि पर असर न पड़े।

नॉर्वे के अखबार वीजी से बातचीत में लाग्रेड ने कहा कि गलती स्वीकार करना ही उनके लिए आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है और वह अपनी गलतियों से भागना नहीं चाहते। ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर यह भावनात्मक स्वीकारोक्ति खेल उपलब्धि से ज्यादा मानवीय पहलू को सामने लाती नजर आई।

राजस्थान बजट: हर घर नल से जल का सपना होगा साकार

(एजेन्सी)।

राजस्थान की वित्त मंत्री दिया कुमारी ने 2026-27 के राज्य बजट में ग्रामीण एवं शहरी आबादी को नल का पानी उपलब्ध कराने के लिए 6,800 करोड़ रुपये का बुधवार को प्रस्ताव रखा। साथ ही बीकानेर और जैसलमेर में सौलर पार्क के निर्माण के लिए करीब 3,000 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा गया है।

राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री कुमारी ने वर्तमान सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधारों और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन के प्रभाव का उल्लेख किया और कहा कि राज्य के आर्थिक आकार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन के तहत गांवों को शामिल किया जाएगा।

हर घर में नल का पानी पहुंचाया जाएगा। इस पर 4,500 करोड़ रुपये की लागत आएगी। शहरों में पीने का पानी 2,300 करोड़ रुपये की लागत से उपलब्ध कराया जाएगा। बीकानेर और जैसलमेर में 2,950 करोड़ रुपये की लागत से नए सौलर पार्क बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री की स्वरोजगार योजना के तहत 10 लाख रुपये तक के ब्याज मुक्त ऋण और अनुदान उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे 30,000 युवाओं को लाभ होगा।

आयुष म्हात्रे की ऐतिहासिक कप्तानी, सचिन तेंदुलकर से मिला खास तोहफा

(एजेन्सी)।

जिम्बाब्वे में इतिहास रचकर लौटे भारत अंडर-19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे अब मुंबई में हैं और उनकी यह वापसी यादगार पलों से भरी रही। बता दें कि उनकी अगुवाई में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को फाइनल में सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप का खिताब रिकॉर्ड छठी बार जीता है।

स्वदेश लौटने के बाद आयुष ने भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े नाम सचिन तेंदुलकर से मुलाकात की। यह मुलाकात युवा कप्तान के लिए खास बन गई, जब मास्टर ब्लास्टर ने उन्हें अपनी टेस्ट जर्सी भेंट की। जर्सी पर सचिन तेंदुलकर ने हाथ से लिखा संदेश भी दिया, जिसमें उन्होंने आयुष के उज्ज्वल करियर की कामना की।

आयुष म्हात्रे ने इस पल को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए भावुक शब्दों में लिखा कि वह बचपन में सचिन को स्क्रीन पर देखा करते थे और आज उनके घर पर खड़े होकर उनके सफर का एक हिस्सा हाथ में पकड़े हैं। उन्होंने इस सम्मान को जीवन भर संजोकर रखने की बात कही।

गौरतलब है कि विश्व कप जीत के बाद आयुष और उनके साथी खिलाड़ी उधव मोहन का अपने-अपने घरों में जोरदार स्वागत किया गया। मुंबई के विरार में आयुष को स्थानीय नायक की तरह सम्मान मिला, जहां परिवार, दोस्त और पड़ोसी बड़ी संख्या में जुटे। वहीं, उधव मोहन को नई दिल्ली में गर्मजोशी से स्वागत मिला।

मौजूद जानकारी के अनुसार आयुष म्हात्रे ने नॉकआउट मुकाबलों में टीम को आगे से लीड किया। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 51 गेंदों पर 53 रन बनाए, जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 59 गेंदों पर 62 रन की अहम पारी खेली। पूरे टूनार्मेंट में उन्होंने सात पारियों में 214 रन बनाए और भारत के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

हालांकि, टूनार्मेंट में सबसे ज्यादा चर्चा वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन की रही। उन्होंने 439 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट का पुरस्कार जीता। फाइनल में उनकी 175 रन की विस्फोटक पारी ने कई अंडर-19 विश्व कप रिकॉर्ड तोड़े, जिसमें 15 चौके और 15 छक्के शामिल रहे।

कुल मिलाकर यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट के भविष्य की मजबूत झलक मानी जा रही है, जिसमें आयुष म्हात्रे जैसे युवा नेतृत्वकर्ता अहम भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं।

खानपुर प्रखंड के जहाँगीरपुर पंचायत अंतर्गत मधुटोल आंगनवाड़ी केंद्र संख्या-188 पर भव्य रूप से सर्वजन दवा सेवन चक्र 2026 मेगा कैंप कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। 11 फरवरी 2026 को खानपुर प्रखंड के अंतर्गत जहांगीरपुर पंचायत के मधुटोल गाँव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-188 पर भव्य रूप से सर्वजन दवा सेवन चक्र 2026 कार्यक्रम का शुभारंभ मेगा कैंप में सफलतापूर्वक किया गया। मेगा कैंप में माननीय स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, बिहार सरकार के द्वारा लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से सर्वजन दवा सेवन चक्र 2026 का शुभारंभ किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-188 पर मेगा कैंप का उद्घघाटन फीता काटकर खानपुर प्रखंड उप प्रमुख अमरेंद्र कुमार यादव, जहाँगीरपुर पंचायत के मुखिया रुचि कुमारी, खानपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार चंद्रा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राणा नितेश कुमार सिंह, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी वर्षा सिन्हा, खानपुर जीविका प्रखंड परियोजना प्रबंधक विक्रम कुमार, पीरामल फाउंडेशन से केशव एवं गांधी फेलो राधेश्याम के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राणा नितेश कुमार सिंह के द्वारा उपस्थित सभी गणमान्य अतिथिगण, सभी विभागीय पदाधिकारी, स्वास्थ्य एवं पोषण कार्यकर्ता, आशा दीदी आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी को कार्यक्रम को वृहद रूप से सफल बनाने हेतु शुभकामनाएं एवं धन्यवाद दिए।

कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार चंद्रा, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राणा नितेश कुमार सिंह, प्रखंड उप प्रमुख अमरेंद्र कुमार यादव, जहांगीरपुर पंचायत के मुखिया रुचि कुमारी, जीविका प्रखंड प्रबंधक विक्रम कुमार, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राकेश रंजन, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रधान लिपिक द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी के सामने दवा खाकर फाइलेरिया मुक्त समाज हेतू संदेश दिए एवं ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर के सामने ही दवा खाने की अनिवार्यता को बताएं।

वही कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार चंद्रा के द्वारा बताया गया कि फाइलेरिया मुक्त समाज हेतु वर्तमान में सर्वजन दवा सेवन चक्र 2026 अंतर्गत खिलाई जा रही हैं। नियम के अनुसार स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा खिलाई जा रहे हैं। दवा का सेवन अनिवार्य रूप से सभी योग्य लोग ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर के ही सामने दवा खाएंगे एवं इसे अधिक से अधिक लोगों को जागरुक करते हुए दवा सामने में ही खिलाना है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर राणा नितेश कुमार सिंह के द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान राष्ट्रीय सर्जन दवा सेवन चक्र 2026 के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है जो हो जाने पर लोगों को काफी कष्टदायक होता है। अतः इस बीमारी से बचने हेतु हम सभी को प्रत्येक वर्ष इस चक्र के दौरान नियम अनुसार ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर के सामने ही दवा खाना है। पीरामल फाउंडेशन से केशव कुमार द्वारा सभी को ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर के सामने दवा खाने एवं अपने परिवार के सदस्यों को अनिवार्य रूप से ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर के सामने दवा खाने हेतु शपथ दिलाएं।

उक्त कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार चंद्रा, प्रखंड उप प्रमुख अमरेंद्र कुमार यादव, जहांगीरपुर पंचायत के मुखिया रुचि कुमारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राणा नितेश कुमार सिंह, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी वर्षा सिन्हा, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राकेश रंजन, जीविका प्रखंड परियोजना प्रबंधक विक्रम कुमार, पीरामल फाउंडेशन से केशव कुमार एवं गांधी फेलो राधेश्याम, खानपुर महिला पर्यवेक्षिका, स्वच्छता पर्यवेक्षक मनीष कुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खानपुर प्रधान लिपिक, रामदेव जी, जहांगीरपुर उप स्वास्थ्य केंद्र एएनएम रेखा कुमारी, पंचायत की सभी आशा, सभी आंगनवाड़ी सेविका, जीविका से लेखापाल, कम्युनिटी मोबिलाइजर, सीएनआरपी, समूह सदस्य, युवा एवं आमजन सक्रिय रूप से भाग लिए एवं मेगा कैंप भव्य रूप से सफलतापूर्वक आयोजित हुआ।

दहेजमुक्त विवाह की मिसाल बना बिघाना गांव का रिश्ता

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। समाज में दहेज जैसी कुप्रथा के विरुद्ध एक सराहनीय उदाहरण राजौंद के निकटवर्ती गांव बिघाना में देखने को मिला, जहां दूल्हा पक्ष ने दुल्हन पक्ष द्वारा दिया गया शगुन विनम्रता पूर्वक वापस लौटा दिया। गांव बीरबागडा निवासी विजेंद्र राणा ने बताया कि उनकी भांजी, गांव बिघाना निवासी तनु पुत्री हरिंदर सिंह का विवाह करनाल जिले के गांव मुल्तान गढ़ी निवासी निशांत पुत्र नरसिंह से हुआ है।

बताया गया कि विवाह अवसर पर दुल्हन पक्ष की ओर से परंपरानुसार स्वेच्छा से 11 लाख रुपये का सगुण दिया गया, लेकिन दूल्हा पक्ष ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। दूल्हा निशांत व उसके परिवार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे दहेज के पूरी तरह खिलाफ हैं और विवाह को आपसी सम्मान व विश्वास के आधार पर ही संपन्न करना चाहते हैं। दूल्हा पक्ष ने शगुन की राशि दुल्हन पक्ष को सम्मानपूर्वक विनम्रता से वापस लौटा दी और दहेज न लेने की प्रार्थना की।

इस निर्णय की उपस्थित लोगों ने जमकर सराहना की। ग्रामीणों का कहना है

■ दूल्हा पक्ष ने 11 लाख रुपये का सगुण लौटाकर दिया समाज को सकारात्मक संदेश

शगुन में मिले 11 लाख रुपए दुल्हा निशांत ने वापिस किया। (छाया: एसबी)

कि आज भी समाज में दहेज के कारण कई बेटियों का भविष्य प्रभावित होता है, ऐसे में इस तरह की पहल अन्य परिवारों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। दुल्हन तनु के परिजनों ने भी दूल्हा पक्ष के इस फैसले पर संतोष जताया और कहा कि यह रिश्ता पैसों से नहीं बल्कि संस्कारों और सोच से मजबूत हुआ है। यह विवाह क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और समाज को दहेजमुक्त विवाह की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश देता है।

गांव किच्छाना में टीबी जागरूकता बैठक का आयोजन

■ स्वास्थ्य विभाग ने बताए टीबी के लक्षण, बचाव और नि:शुल्क इलाज की दी जानकारी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। बुधवार, 11 फरवरी को सिविल सर्जन कैथल डॉ. रेनू चावला के निदेर्शानुसार तथा डॉ. संदीप सिंह की अध्यक्षता में गांव किच्छाना में टीबी जागरूकता को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्वास्थ्य निरीक्षक श्री तेलूराम ने ग्रामीणों को टीबी रोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टीबी के प्रमुख लक्षणों में 15 दिन से अधिक समय तक बुखार रहना, लगातार खांसी होना, रात के समय बेचैनी व पसीना आना तथा वजन का लगातार घटना शामिल है। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर व्यक्ति को तुरंत अपने नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जांच करवानी चाहिए। जांच के दौरान यदि टीबी की पुष्टि होती है तो मरीज का इलाज सरकार द्वारा पूर्णतः निःशुल्क किया जाता है।

स्वास्थ्य निरीक्षक ने बताया कि टीबी के छह महीने के उपचार काल में मरीज को निक्षय पोषण योजना के तहत एक

हजार रुपये प्रतिमाह प्रोत्साहन राशि दी जाती है, ताकि मरीज अपने खान-पान में सुधार कर इलाज को पूरा कर सके। इसके साथ ही मरीज के परिवारजनों को भी टीपीटी योजना के तहत सप्ताह में एक दिन दवा देकर टीबी से बचाव किया जाता है। उन्होंने एहतियात बताते हुए कहा कि टीबी मरीज को मुंह पर कपड़ा या मास्क रखना चाहिए तथा बच्चों से दूरी बनाए रखनी चाहिए, ताकि संक्रमण अन्य लोगों तक न फैले। बैठक में गांव के लगभग 30 से 40 लोगों ने भाग लिया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य कार्यकर्ता श्री राजपाल मलिक, एएनएम समुद्र देवी तथा गांव की आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

42वीं क्रीड़ा प्रतियोगिता के द्वितीय दिवस बेसिक के नौनिहालों ने किया शानदार प्रदर्शन

संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। बेसिक शिक्षा विभाग की 42वीं जनपदीय त्रिदिवसीय बाल क्रीडा प्रतियोगिता के दूसरे दिन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह ने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के बहुत से अवसर प्राप्त होते हैं परंतु खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का यह एक बहुत ही अच्छा माध्यम है।

सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राएं अपनी ओर से श्रेष्ठ प्रदर्शन करें। संपन्न हुए खेलों में प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में 200 मीटर दौड़ में अखिलेश दातागंज प्रथम, प्रशांत कादर चौक द्वितीय एवं करन जगत तृतीय स्थान पर रहे। लंबी कूद में हिमांशु उझानी प्रथम, कुलदीप कादर चौक द्वितीय एवं राजन दातागंज तृतीय स्थान पर रहे।

खो-खो में कादर चौक की टीम विजेता रही वहीं अंबियापुर की टीम उप-विजेता बनी। प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग संध्या उसावा प्रथम, नंदिनी सलारपुर द्वितीय, पूनम सलारपुर तृतीय स्थान पर रही। लंबी कूद प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में सगोपी कादरचौक प्रथम, करिश्मा कादर चौक द्वितीय, लक्ष्मी उझानी तृतीय स्थान पर रही। खो-खो मैं कादर चौक की टीम विजेता एवं वजीरगंज की टीम उप-विजेता बनी 200 मीटर दौड़ में कुणाल उझानी प्रथम, रवि जगत द्वितीय, अनुज कादर चौक तृतीय स्थान पर रहे। 600 मीटर दौड़ में आकाश उझानी प्रथम, अरबाज समरेर द्वितीय, अनुज कादर चौक तृतीय स्थान पर रहे। लंबी कूद में सोनू सलारपुर प्रथम, अर्जुन जगत द्वितीय, अनुराग उझानी तृतीय स्थान पर रहे।

कबड्डी में अंबियापुर की टीम विजेता बनी वही दहगवां की टीम उप-विजेता बनी खो-खो में कादर चौक विजेता एवं सलारपुर उपविजेता रहा। उच्च प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में 200 मीटर दौड़ में दीक्षा सलारपुर प्रथम, नीतू उझानी द्वितीय, शिवी उझानी तृतीय स्थान पर रही। 600 मीटर दौड़ में दीक्षा सलारपुर प्रथम, वंशिका सालारपुर एवं सलोनी उझानी तृतीय स्थान पर रही। लंबी कूद में गोसिया बी उझानी प्रथम, रुचि कादर चौक द्वितीय व स्वाती दहगवां तृतीय स्थान पर रही।

खो-खो में उझानी विजेता एवं बिसौली की टीम उपविजेता रही। संचालन डॉ0 जुगल किशोर एवं ए0आर0 पी0 कामिनी राठौर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता में जिला अध्यक्ष संजीव शर्मा, उदयवीर सिंह यादव, सुशील चौधरी, अशोक यादव, प्रदीप गुप्ता, किरण देवी, रामदास यादव, ज्योति सक्सेना, सुदेश मिश्रा,

लव कुमार शर्मा, राजन यादव, रामवीर यादव, फरहत हुसैन, प्रभाकर सक्सेना, समेत तमाम ब्लॉक पीटीआई, खेल अनुदेशक एवं शिक्षक गण मौजूद रहे।

पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने वालों को अग्रिम जमानत

एसबी संवाददाता

वाराणसी। सत्र न्यायालय संजीव शुक्ला की अदालत ने पुलिस टीम पर जानलेवा हमला कर आगजनी व बवाल करने के मामले में तीन आरोपित को अग्रिम जमानत दे दिया है। ग्राम बिडड़ा, थाना मिजार्मुराद निवासी महात्मा बनवासी, जितेंद्र कुमार व गोलू बनवासी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने की दशा में 50-50 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बन्धपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से फौजदारी अधिवक्ता बंटी खान व अधिवक्ता रागिनी सिंह ने पक्ष रखा।

अधिवक्ता रागिनी सिंह

अभियोजन के अनुसार 20 अक्टूबर 2025 को मिजार्मुराद थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार पाण्डेय मय हमराह के साथ क्षेत्र में शान्ति व्यवस्था देख-रेख व दीपावली त्यौहार सकुशल सम्पन्न कराने के सम्बन्ध में थाना हाजा से रवाना होकर कछवाँ रोड अण्डर पास हाइवे पर मौजूद थे, तभी जरिये मोबाइल चौकी प्रभारी कछवाँ रोड उ0नि0 गणेश प्रसाद पटेल ने समय करीब 23.30 बजे बताया कि दो पक्षो में किसी बात को लेकर ग्राम बिडड़ा पावर हाउस में विवाद हो गया है तथा आपस में मार पीट कर रहे है पुलिस बल की आवश्यकता है। इस सूचना पर प्रभारी निरीक्षक उच्चधिकारीगणो को अवगत कराते हुए पुलिस बल की मांग करते हुए अण्डर पास कछवाँ रोड से चलकर ग्राम बिडड़ा पहुँचा तो देखा कि स्थिति बहुत ही तनावपूर्ण है जरिये आरटी सेट/मोबाइल कन्ट्रोल रुम से अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की कुछ समय बाद प्रभारी निरीक्षक कपसेठी मय पुलिस बल के उपस्थित आये। दोनो पक्षो को समझाने बुझाने का हर सम्भव प्रयास किया गया, लेकिन उग्र होकर जान से मारने की नियत से पुलिस वालो पर पथराव कर दिये जिसमे कुछ पुलिस बल को चोटे आयी।

सब-सेंटर सोंगरी में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान पर बैठक आयोजित

■ स्वास्थ्य विभाग ने महिलाओं व आशा कार्यकर्ताओं को किया जागरूक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। सीएमओ डॉ रेनू चावला के निर्देश अनुसार व सीएचसी राजौंद के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप सिंह के मार्गदर्शन, स्वास्थ्य निरीक्षक कुलदीप सिंह (किच्छाना) के सहयोग से सब-सेंटर सोंगरी में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य समाज में बालिका संरक्षण, शिक्षा और सशक्तिकरण के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा।

बैठक में उपस्थित आशा कार्यकर्ताओं को अभियान के मुख्य उद्देश्यों की जानकारी दी गई और बताया गया कि किस प्रकार वे अपने क्षेत्र में लोगों को बेटियों के महत्व, उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर सकती हैं। वक्ताओं ने कहा कि बेटी बचाओझबेटी पढ़ाओ अभियान सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य लिंग अनुपात में सुधार लाना तथा बालिकाओं को समान अवसर प्रदान करना है।

इस अवसर पर आशा वर्करों ने अपने-अपने अनुभव साझा किए और गांव स्तर पर अभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से चलाने पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदीप शर्मा एमपीएचडब्ल्यू (एम), डॉ. अनिल कुमार तथा गीता रानी एएनएम सहित सभी आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग की सक्रिय भूमिका रही।

राजौंद में 'हरियाणा सुपर 100' लेवल-1 प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

■ राजौंद ब्लॉक में 333 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा
■ कैथल जिले से 3131 छात्र-छात्राएं हुए शामिल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। हरियाणा सरकार की प्रमुख शैक्षणिक पहल "हरियाणा सुपर 100" के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-28 के लिए लेवल-1 प्रवेश परीक्षा का आयोजन बुधवार, 11 फरवरी को राजौंद सहित पूरे हरियाणा प्रदेश में ब्लॉक स्तरीय रूप से सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। यह परीक्षा प्रदेश के सभी सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राजौंद ब्लॉक में कुल 333 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि जिला कैथल स्तर पर कुल 3131 विद्यार्थियों ने लेवल-1 प्रवेश परीक्षा में सहभागिता की। प्रदेशभर में 178 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित कराई गई।

परीक्षा का स्वरूप वस्तुनिष्ठ (ऑब्जेक्टिव) आधारित रहा, जिसमें कुल 50 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए। परीक्षा का कुल अंकभार 200 अंक निर्धारित था तथा प्रत्येक गलत उत्तर पर एक अंक की नकारात्मक अंक प्रणाली (निगेटिव मार्किंग) लागू की गई। प्रश्न गणित विषय से संबंधित रहे, जिनकी जानकारी विद्यार्थियों को पहले ही उपलब्ध करवा दी गई थी। परीक्षा का समय दोपहर 12:30 बजे से 2:30 बजे तक निर्धारित किया गया था।

लेवल-1 में सफल विद्यार्थियों को लेवल-2 जिला स्तरीय परीक्षा के लिए चयनित किया जाएगा। लेवल-2 में सफल छात्र-छात्राओं को लेवल-3 हेतु हरियाणा सुपर 100 परिसर, कुरुक्षेत्र में आमंत्रित किया जाएगा, जहां उन्हें आवासीय शैक्षणिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद चयनित विद्यार्थियों को निःशुल्क आईआईटी प्रवेश परीक्षा (जेईई) एवं राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की उच्च स्तरीय तैयारी करवाई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा सुपर 100 योजना की शुरूआत वर्ष 2018 में हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग एवं विकल्प फाउंडेशन के सहयोग से की गई थी। इस योजना के अंतर्गत अब तक अनेक विद्यार्थी आईआईटी, एनआईटी, आईआईआईटी, एम्स तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित होकर प्रदेश का नाम रोशन कर चुके हैं। राजौंद क्षेत्र के भी कई विद्यार्थी इस योजना से लाभान्वित होकर उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हैं।

'शान-ए-अहिरवाल केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के जन्मदिन की धूम'

■ वंदना पोपली ने केन्द्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। रेवाड़ी जिला अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली के नेतृत्व में आज भाजपा पदाधिकारीयों ने केंद्रीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार राव इंद्रजीत सिंह के दिल्ली स्थित लोधी रोड आवास पर पहुंचकर उन्हें उनके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। डॉ. वंदना पोपली ने 'दक्षिण हरियाणा के शेर' कहे जाने वाले राव साहब को पुष्पगुच्छ भेंट कर और शॉल ओढ़ाकर जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने राव साहब के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और यशस्वी जीवन की कामना करते हुए उन्हें विकास का पर्याय बताया। हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री आरती राव को भी शुभकामनाएं देते हुए डॉ. वंदना पोपली ने कहा कि "राव इंद्रजीत सिंह केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि दक्षिण हरियाणा की जनता की आवाज और उनकी अस्मिता के प्रतीक हैं। उन्होंने अपनी दूरदर्शी राजनीति से अहिरवाल क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है। आज रेवाड़ी, गुरुग्राम और महेंद्रगढ़ में जो ढांचागत सुधार और औद्योगिक क्रांति दिख रही है, वह राव साहब की कड़ी मेहनत और विजन का परिणाम है। इस मौके पर बीजेपी कार्यकर्ता अपने प्रिय नेता की एक झलक पाने और उन्हें बधाई देने दिल्ली पहुंचे।

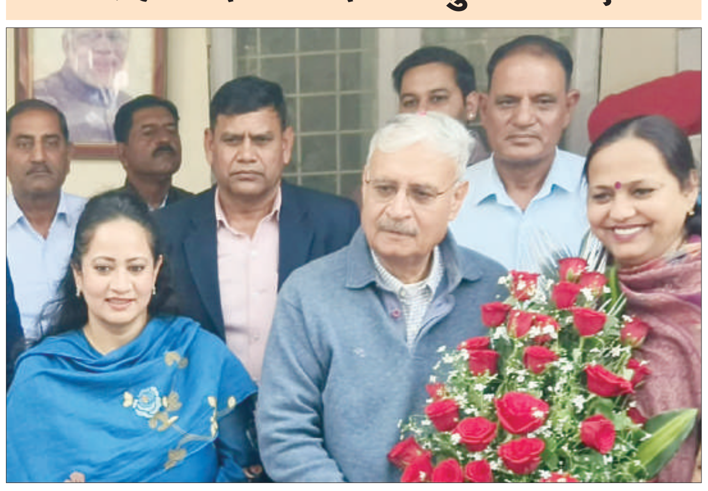

इस मौके पर राव साहब ने सभी कार्यकताओं का अभिवादन स्वीकार किया और उनके साथ समय बिताया, जो उनके जमीन से जुड़े होने का प्रमाण है।

राव इंद्रजीत सिंह के बारे में डॉ पोपली ने बताया कि राव साहब का राजनीतिक सफर अभेद व जन हितैषी रहा है। 11 फरवरी को जन्मे राव इंद्रजीत सिंह का राजनीति में केवल राज्य नहीं अपितु राष्ट्रीय स्तर कद बहुत ऊँचा है। वे दिग्गज नेता स्वर्गीय राव बीरेंद्र सिंह के पुत्र हैं और अपनी विरासत को उन्होंने बेहद गरिमा के साथ आगे बढ़ाया है। वे लगातार दो दशकों से लोकसभा के सदस्य रहे हैं। उन्होंने रक्षा, सांख्यिकी और योजना जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों को संभालते हुए राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। राव साहब का जन्मदिन कार्यकर्ताओं के लिए एक उत्सव की तरह होता है, जो जनसेवा के संकल्प को और मजबूत करता है।

डॉ. वंदना पोपली ने अंत में कहा कि राव साहब का आशीर्वाद और मार्गदर्शन ही हमें क्षेत्र की जनता की सेवा करने की शक्ति देता है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में राव साहब के नेतृत्व में दक्षिण हरियाणा विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष हुकम चंद यादव, जिला महामंत्री पं हिमांशु पालीवाल, जिला महामंत्री कुलदीप चौहान, जिला उपाध्यक्ष सुमन चौहान, धीरज यादव, प्रवीण शर्मा, जिला सचिव दिनेश टिट, जिला मिडिया प्रभारी जतिन अरनेजा, कार्यालय प्रभारी सत्यपाल धुपिया, जिला कार्यकारिणी सदस्य मनोज सैनी, अमृत कला टिकनिया, नेहा शर्मा, योगेश शर्मा जिला संयोजक एन जी ओ प्रकोष्ठ, डॉ सौरभ यादव कार्यकारी अध्यक्ष युवा मोर्चा, विनीता पिप्पल कार्यकारी अध्यक्ष महिला मोर्चा, नीतू चौधरी सी डब्ल्यू सी मेम्बर, एडवोकेट मुकेश रँगा, अजय रँगा, नरेंद्र पिप्पल, एडवोकेट मयंक सैनी, सतीश प्रजापत, प्रमोद आजाद, संजय बड़गुर्जर, विनोद, ईश्वर सैनी, मनीष इत्यादि साथ रहें।

कांग्रेस नेता दिलबाग सिंह लाड़ी को मातृ शोक, प्रतिष्ठित लोगों ने दी सांत्वना

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। कांग्रेस नेता दिलबाग सिंह लाड़ी अरड़ाना की माता हरभजन कौर के 6 फरवरी को निधन होने से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। उनके देहांत पर परिवार, रिश्तेदारों व समर्थकों में गहरा दुख देखा गया। मातृ शोक प्रकट करते हुए कांग्रेस नेता दिलबाग सिंह लाड़ी अरड़ाना ने कहा कि उनकी माता एक धार्मिक, सरल व सेवा भाव से परिपूर्ण व्यक्तित्व की धनी थीं। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन परिवार की परवरिश और संस्कारों के निर्माण में समर्पित किया। उनका सादा जीवन, उच्च विचार और आध्यात्मिक आस्था सदैव परिवार को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने इसे अपने जीवन की अपूरणीय क्षति बताया। दुख की इस घड़ी में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति एवं शुभचिंतक परिवार को सांत्वना देने उनके निवास स्थान पर पहुंचे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए अरदास करते हुए शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और रब से इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

कांग्रेस नेता लाड़ी ने जानकारी दी कि दिवंगत आत्मा की शांति हेतु अंतिम अरदास एवं भोग का आयोजन 12 फरवरी वीरवार को प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक गुरुद्वारा डेरा साहिब, असंध में किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अरदास में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित करने का आग्रह किया।

शोकाकुल परिवार में उनके सुपुत्र दिलबाग सिंह लाड़ी, गुलाब सिंह तथा समस्त हंजरा परिवार सैंती वाले शामिल रहेंगे।

राजौंद में सांसद नवीन जिन्दल की पहल से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर को मिला व्यापक जनसमर्थन

संजना भारती संवाददाता

राजौंद। सांसद नवीन जिन्दल की जनहितकारी पहल के तहत आयोजित किए जा रहे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का दूसरा चरण निरंतर प्रभावी रूप से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में बुधवार को कलायत विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बारहवां निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर गोल्ड लाइफ स्कूल, पुण्डरी रोड, राजौंद में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक चले इस शिविर में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर के दौरान कुल 1507 नागरिकों ने विभिन्न निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा नेत्र रोग, दंत रोग, स्त्री रोग, सामान्य स्वास्थ्य जांच, एनीमिया जांच तथा स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान की गईं। स्वास्थ्य जांच के उपरांत आवश्यकता अनुसार मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। नेत्र परीक्षण के बाद 615 जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चश्मे भी प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त 67 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई, जिनके निःशुल्क ऑपरेशन शीघ्र ही करवाए जाएंगे।

इस अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल के कैथल कार्यालय प्रभारी रविंद्र धीमान ने बताया कि सांसद का उद्देश्य है कि क्षेत्र का कोई भी नागरिक स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। इसी सोच के साथ निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों, मोबाइल मेडिकल वैन एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है।

शिविर में नगरपालिका चेयरपर्सन बबीता रानी, सतविंदर राणा, सुशील पांचाल, संदीप राणा, अनिल हरित, जितेंद्र सिंह, कुलविंदर राणा तथा हल्का प्रभारी वीरेंद्र सहारण सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

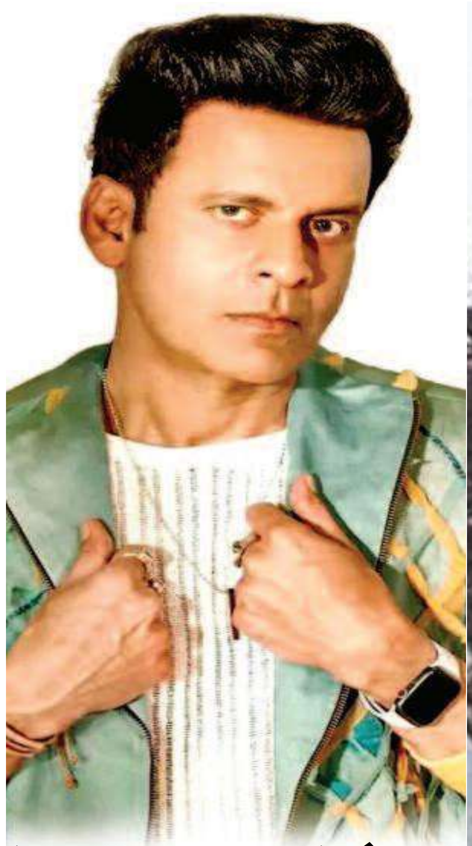

'भागम भाग 2' में हुई मनोज बाजपेयी की एंट्री! गोविंदा को करेंगे रिप्लेस?

बॉलीवुड में इन दिनों पुरानी कल्ट फिल्मों के सीक्वल बनाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में अब साल 2006 में आई कल्ट कॉमेडी फिल्म 'भागम भाग' का सीक्वल भी बनने जा रहा है। फिल्म को लेकर काफी दिनों से चर्चाएं चल रही हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि फिल्म इस साल फ्लोर पर आ जाएगी। इस बीच अब 'भागम भाग 2' को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है।

गोविंदा की जगह लेंगे मनोज

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भागम भाग 2' की कास्ट में एक बड़ा बदलाव किया गया है। सीक्वल में जहां अक्षय कुमार और परेश रावल की वापसी हुई है। वहीं गोविंदा की जगह फिल्म में मनोज बाजपेयी नजर आ सकते हैं। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म निर्माताओं ने मनोज बाजपेयी को कास्ट कर लिया है। मनोज बाजपेयी फिल्म में गोविंदा की जगह लेंगे। यह खबर हाल ही में सामने आई है। 'भागम भाग' में गोविंदा के किरदार को काफी पसंद किया गया था। उनकी कॉमिक टाइमिंग वैसे भी काफी पसंद की जाती है। ऐसे में अब गोविंदा की जगह मनोज बाजपेयी को लेना, कितना कारगर रहेगा ये तो फिल्म रिलीज के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल अभी तक मेकर्स की ओर से 'भागम भाग 2' की कास्ट को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

राज शांडिल्य करेंगे निर्देशन

फिल्म को लेकर अभी तक आ रहीं खबरों के मुताबिक, सीक्वल का निर्देशन राज शांडिल्य करेंगे और इसकी कहानी भी पहचान को लेकर होने वाली गलतफहमी पर आधारित होगी। जबकि 'भागम भाग' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। फिल्म में मीनाक्षी चौधरी अक्षय कुमार के साथ मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। जबकि मनोज बाजपेयी के अपोजिट नजर आने वाली हीरोइन की तलाश अभी जारी है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग अगले महीने से मुंबई में शुरू होने की खबरें हैं।

अनुभव सिन्हा की इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी तापसी

तापसी पन्नू निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ आने वाली इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी। दमदार मोशन पोस्टर से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, निर्माताओं ने फिल्म को सीधे दर्शकों तक ले जाने की शुरुआत कर दी है—और इसकी शुरुआत आज जयपुर में एक खास ऑन-ग्राउंड शोकेस से हुई। फिल्म की अनोखी प्रमोशनल स्ट्रेटेजी के तहत, तापसी पन्नू ने जयपुर मीडिया के साथ एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस की, वहीं टीम ने साथ ही बड़े पर्दे पर अस्सी का ट्रेलर भी दिखाया। अभिनेत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ ट्रेलर देखा, पत्रकारों, फैंस और डिजिटल क्रिएटर्स से सीधे संवाद किया और फिल्म तथा उसके सशक्त विषय पर अपने विचार साझा किए। अस्सी के मोशन पोस्टर ने अपने सख्त टोन और तात्कालिक संदेश के कारण पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी, जिसने एक हार्ड-हिटिंग सिनेमैटिक अनुभव की मजबूत नींव रखी। जयपुर दौरे ने इस उत्साह को और बढ़ाया, जहां दर्शकों ने फिल्म के तीव्र कोर्टरूम माहौल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कहानी को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेज रफ्तार इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के रूप में पेश की जा रही अस्सी, एक बिल्कुल नए तरह के

कोर्टरूम ड्रामा के जरिए आगे बढ़ती है, जो देश में रोजाना दर्ज होने वाले लगभग अस्सी यौन उत्पीड़न मामलों की भयावह सच्चाई से प्रेरित है। फिल्म को एक अर्जेंट वॉच के तौर पर पोजिशन किया जा रहा है, जो मजबूत महिला नायिकाओं के नेतृत्व में सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के लिए बढ़ती दर्शक रुचि को दर्शाता है। तापसी पन्नू के साथ फिल्म में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा की विशेष प्रस्तुतियाँ फिल्म की रोमांचक गहराई को और बढ़ाती हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ प्रस्तुत अस्सी , बेनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी है। फिल्म का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है और निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनुभव सिन्हा ने किया है। अस्सी 20 फरवरी 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में विशेष रूप से रिलीज होगी।

आदित्य के साथ हॉरर थ्रिलर बनाएंगे करण जौहर

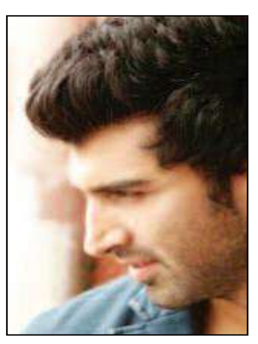

धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले करण जौहर एक नई हॉरर थ्रिलर फिल्म बनाने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह फिल्म पूरी तरह प्योर हॉरर जॉनर की होगी और इस वक्त कास्टिंग स्टेज में है। इससे पहले करण, कार्तिक आर्यन के साथ क्रिएचर कॉमेडी 'नागजिला' और एक क्रिएचर थ्रिलर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि इस हॉरर थ्रिलर में आदित्य रॉय कपूर को लीड रोल के लिए लॉक कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, आदित्य ने स्क्रिप्ट पढ़ते ही प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। यह एक यूनिक कॉन्सेप्ट पर आधारित फिल्म है और धर्मा प्रोडक्शंस को इसके थिएट्रिकल पोटेंशियल पर पूरा भरोसा है। इस फिल्म की शूटिंग मई 2026 से शुरू होने की तैयारी है। एक टॉप टियर फीमेल लीड को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है।

ऋतिक की 'कृष 4' में फाइनल चोपड़ा की एंट्री हुई प्रियंका

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार... 'प्रियंका को ऋतिक रोशन की सुपरहिट फिल्म 'कृष 4' में फीमेल लीड के रूप में फाइनल कर लिया गया है। प्रियंका ने इस फ्रेंचाइज की पिछली दो फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई थी, इसके बाद उन्होंने हॉलीवुड की ओर फोकस किया और अपने पर्सनल लाइफ, खासकर शादी में बिजी हो गई थीं। फिल्म 'वाराणसी' का शूट पूरा करने के बाद प्रियंका 'कृष 4' की शूटिंग शुरू करेंगी। हालांकि अभी मेकर्स या प्रियंका की तरफ़ से कोई स्टेटमेंट नहीं आया है। 'कृष 4' को ऋतिक 700 करोड़ रुपए के बजट पर बनाना चाहते हैं। इस फिल्म को डायरेक्ट भी खुद ऋतिक करेंगे। बता दें कि 2003 में राकेश के निर्देशन में साइंस फिक्शन फिल्म 'कोई.... मिल गया' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉलीवुड को एक नया सुपरहीरो दिया। 'कोई मिल गया' के बाद आई 'कृष', यह भी सुपरहिट रही। फिर राकेश रोशन ने 'कृष 3' के लिए लंबा इंतजार करवाया। 2006 में 'कृष' की सफलता के बाद 'कृष 3' 2013 में आई। इसमें विवेक ओबेरॉय विलेन बने थे। इस फिल्म के अलावा प्रियंका इन दिनों अपनी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर भी चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ महेश बाबू लीड रोल में दिखाई देंगे। यह एक बड़े बजट की फिल्म होगी।

सई मांजरेकर ने साझा किया 'द इंडिया हाउस' का अनुभव

भारतीय सिनेमा की पैन-इंडिया फिल्मों में काम करना जितना रोमांचक होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इस कड़ी में अभिनेत्री सई मांजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी बिजी हैं। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषा में एक साथ शूट की जा रही है। सई का कहना है कि इस तरह की फिल्म में काम करने के लिए कलाकार को हर समय भावनात्मक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना पड़ता है। सई मांजरेकर ने कहा, ''द इंडिया हाउस' मेरे लिए अब तक का अलग अनुभव रहा है। जब एक ही सीन को दो भाषाओं में शूट किया जाता है, तो कलाकार को भाषा की लय, भाव और भावनात्मक गहराई को बारीकी के साथ समझना पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि एक ही सीन पहले एक भाषा में और तुरंत बाद दूसरी भाषा में करना होता है, जिससे कलाकार को हर पल सतर्क रहना पड़ता है।' उन्होंने कहा, ''इस तरह की फिल्मों में अभिनय का तरीका भी थोड़ा बदल जाता है। यहां सिर्फ शब्दों से नहीं, बल्कि भावनाओं से कहानी को आगे बढ़ाना होता है। हर भाषा की अपनी एक संवेदना होती है और उसी के अनुसार किरदार की भावनाएं भी बदलती हैं। ऐसे में कलाकार को अपने अभिनय को बार-बार ढालना पड़ता है, ताकि किरदार हर भाषा में उतना ही सच्चा लगे।'' सई ने कहा, ''मेरी पिछली फिल्म 'मेजर' की शूटिंग का अनुभव इस फिल्म में काफी काम आया। उस फिल्म से मुझे यह समझने में मदद मिली कि द्विभाषी फिल्मों की शूटिंग कैसे होती है और कलाकार को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि हर प्रोजेक्ट की अपनी अलग पहचान और चुनौतियां होती हैं। 'द इंडिया हाउस' की कहानी और उसका ऐतिहासिक संदर्भ इसे बाकी फिल्मों से अलग बनाता है।''

'द इंडिया हाउस' फिल्म में सई मांजरेकर 'सती' नाम की महिला का किरदार निभा रही है। इस पर सई ने कहा, ''सती का किरदार निभाने के लिए मुझे उस समय के माहौल, सोच और भावनाओं को गहराई से समझना पड़ा। सती बाहर से शांत दिखाई देती है, लेकिन उसके भीतर साहस, दर्द और संघर्ष छिपा है। इन भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के दर्शकों तक पहुंचाना मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी हैं।'' पैन-इंडिया फिल्मों की खास बात बताते हुए सई ने कहा, ''ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करने का सबसे अच्छा पहलू टीमवर्क होता है। सेट पर अलग-अलग राज्यों और भाषाओं से आए कलाकार और तकनीशियन एक साथ काम करते हैं। सबका लक्ष्य कहानी को ईमानदारी से पर्दे पर उतारना होता है। यह सामूहिक भावना कलाकार को और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।''

सई ने अपने सह-कलाकार निखिल सिद्धार्थ, निर्देशक वामसी और पूरी टीम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''सेट पर काम करने का माहौल बेहद सकारात्मक और कहानी पर केंद्रित रहता है। जब निर्देशक और पूरी टीम कहानी को लेकर गंभीर होती है, तो कलाकार भी अपने किरदार में और गहराई से उतर पाता है।''

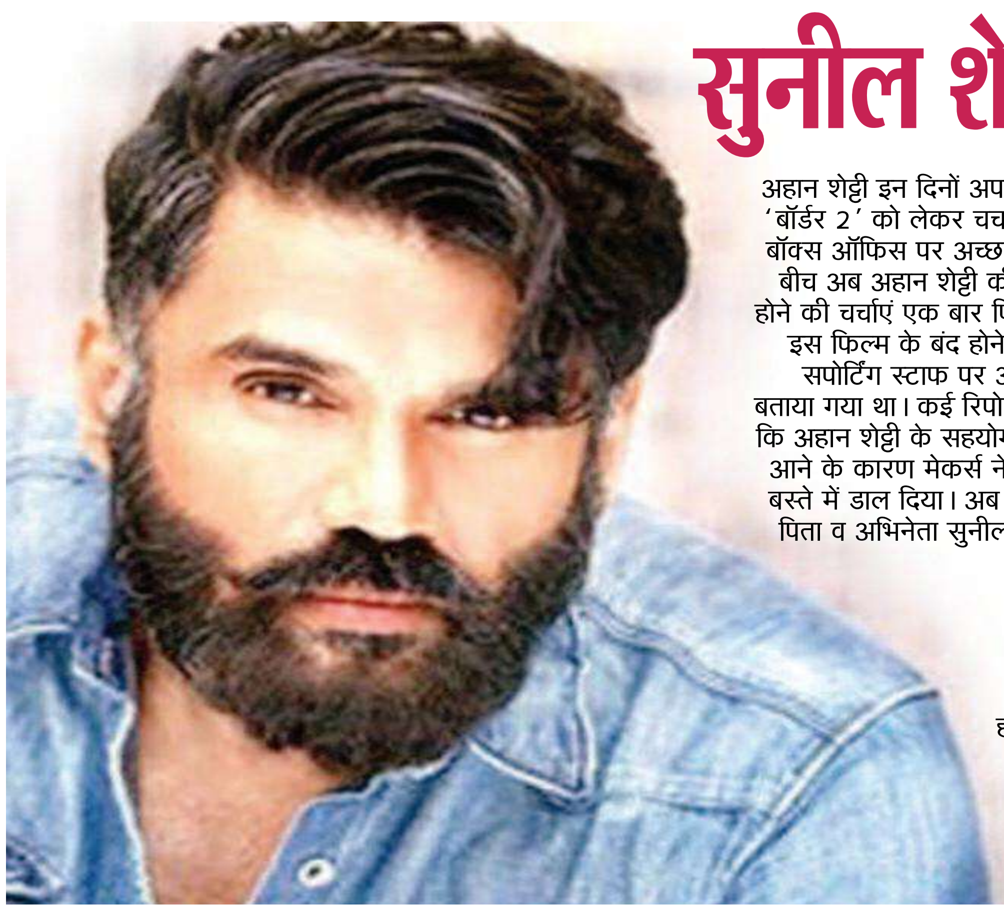

सुनील शेट्टी ने बेटे अहान के प्रोफेशनलिज्म को लेकर बात की

अहान शेट्टी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच अब अहान शेट्टी की फिल्म 'सनकी' के बंद होने की चर्चाएं एक बार फिर से उठी हैं। दरअसल, इस फिल्म के बंद होने की वजह अहान शेट्टी के सपोर्टिंग स्टाफ पर आने वाले अधिक खर्च को बताया गया था। कई रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि अहान शेट्टी के सहयोगी स्टाफ पर अधिक खर्च आने के कारण मेकर्स ने 'सनकी' फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया। अब इन चर्चाओं पर अहान के पिता व अभिनेता सुनील शेट्टी ने प्रतिक्रिया दी है।

प्रोड्यूसर ने फैलाई अफवाहें

2021 में अहान की डेब्यू फिल्म 'तड़प' के रिलीज होने के बाद उनकी अगली फिल्म 'सनकी' को अचानक रोक दिया गया। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि यह फैसला अहान के साथ आए लोगों के कारण कथित तौर पर हुए खर्चों से बढ़ी चिंताओं के बाद लिया गया है। अब लहरें रेट्रो के साथ बातचीत में अभिनेता सुनील शेट्टी ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने बेटे अहान के प्रोफेशनलिज्म को लेकर भी बात की। सुनील शेट्टी ने कहा कि अहान ने कभी भी अपने साथ आए लोगों को हद से ज्यादा नहीं रखा। ये सब अफवाहें हैं। ये अफवाहें निर्माता की सुविधा के लिए फैलाई गई हैं। अगर निर्माता कहता है कि वह बिल दिखा सकता है, तो मैं देखूंगा। ऐसे में पिता को दखल देना पड़ता है और मैं साफ तौर पर दखल दूंगा। अपनी कमजोरियों को छिपाने के लिए झूठ मत फैलाओ, क्योंकि यह अहान के साथ नाइंसाफी है।

अहान खुद उठाते हैं अपने स्टाफ का खर्च

सुनील शेट्टी ने आगे कहा कि अहान अपने साथ आने वाले लोगों को लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। अगर वे उनके साथ आते हैं, तो उनका खर्च वही उठाते हैं। उन्हें इस बात का पूरा एहसास है। जब सुनील शेट्टी घर से खाना-पानी लाते हैं, तो मेरे स्टाफ को कहा गया है कि अगर आप यूनिट का खाना खा रहे हैं, तो ठीक है, लेकिन अगर आप बाहर से खाना मंगवाना चाहते हैं, तो बिल मेरे नाम से बनवाएं, निर्माता के नाम से नहीं। मेरा स्टाफ ऐसा करने की हिम्मत नहीं कर सकता, इसलिए अहान का स्टाफ तो ऐसा बिल्कुल नहीं करेगा। अहान तो अभी-अभी इंडस्ट्री में आए हैं। यह उनका इंडस्ट्री में जमने का समय है, इसलिए कोई नखरे नहीं चलेंगे। ऐसा हो ही नहीं सकता।

कई रिपोर्ट्स में इन कारणों का भी किया गया जिक्र

कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि साजिद नाडियाडवाला ने शुरू में 'सनकी' को आगे बढ़ाया था और प्राइम वीडियो के साथ एक बड़ा डिजिटल सौदा भी किया था। हालांकि, इस सबके बावजूद सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स से कम कमाई के कारण प्रोजेक्ट को रोक दिया गया। इसके साथ ही कथित तौर पर अहान के सपोर्ट स्टाफ का अत्यधिक खर्च भी इसका कारण बना। लेकिन अब सुनील शेट्टी ने अहान के सपोर्ट स्टाफ के खर्च की बात को झूठा करार दिया है।

अहान शेट्टी ने साल 2021 में आई एक्शन-रोमांटिक फिल्म 'तड़प' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। हालांकि, इसके बाद लगभग चार साल से अधिक समय तक वो बड़े पर्दे से दूर रहे। अब इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' अहान की दूसरी फिल्म है। फिल्म में उन्होंने नेवी ऑफिसर की भूमिका निभाई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। वहीं अहान के काम को भी पसंद किया गया है।